

शारदासहस्रनामावली

शारदासहस्रनामावली



प्रकाशक :

विजयेश्वर पञ्चाङ्ग कार्यालय

अजीत कॉलोनी, गोलगुजराल, जम्मू

दूरभाष : 555607

मूल्य : 15 रुपये

लक्ष्मी प्रिंटिंग वर्क्स
लाल कुआँ, दिल्ली-110006

पुष्पार्चन

इष्टदेव को सन्तुष्ट करने, मानसिक शान्ति तथा हर मनोकामना सिद्धि के लिए पुष्पार्चन एक सरल तथा सुगम मार्ग है, हम जब भी चाहें- हर एक व्रत महोत्सव, पर्व अथवा जन्म दिन आदि पर जब हम कोई महान् यज्ञ करने में असमर्थ हूँ तो अवश्य पुष्पार्चन रूपी यज्ञ का प्रोग्राम बनायें।
विष्णु भगवान् ने शंकर भगवान् को सन्तुष्ट कराने के लिए "**सहस्रपुष्पार्चन्**" किया परन्तु अन्त में हजार पुष्प में एक कम होने पर भक्ति के आवेश में अपना नेत्रकमल हजारवें पुष्प के रूप में अर्पण किया, जिस के फलस्वरूप विष्णु को भगवान् शंकर से सुदर्शनचक्र प्राप्त हुआ।
पुष्पदन्ताचार्य ने फूल न मिलने पर फूलों के स्थान पर अपने 32 दांत पुष्पार्चन के रूप में अर्पण करते हुये महिम्नस्तोत्र के 32 श्लोकों का उच्चारण किया, भगवद्गीता में भगवान् कहते हैं "**पत्रं पुष्पं फलं तोयं**" इन प्रमाणों से स्पष्ट है पुष्पार्चन का पूजा विधान भारतीय पूजा क्रम में प्राचीन काल से प्रचलित है।

सहस्रपुष्पार्चन विधिः-

इस पूजा में इष्ट देवता के सहस्रनाम के साथ आरम्भ में "ॐ" और अन्त में "**नमः**" जोड़कर एक-एक नाम से इष्टदेव पर पुष्प चढ़ाया जाता है, इस पूजा के लिये पुष्प पर्याप्तमात्रा में होने चाहिये। (पुष्प की पत्तियाँ अलग-अलग करके पूजा में प्रयोग न करें, फूल खण्डित ना हो) पुष्पार्चन के लिये किसी कमरे में स्वच्छ आसन बिछायें, जहाँ सभी भक्तजन सामूहिक रूप से पूजा में सम्मिलित हो सकें, जो पूजा का मुख्यकर्त्ता अथवा यजमान होगा उसको चाहिये पद्मासन में बैठकर अपने सामने इष्टदेव की मूर्ति उस ढंग से रखे ताकि आप को फूल अर्पण करने में कोई रुकावट न पड़े पूजा के आरम्भ पर रत्नदीप तथा धूप आदि जलाकर इष्टदेव की मूर्ति को तिलक लगाकर फूलों की मालाओं से सजाइये, पहले आप (यजमान) धूपदीप करे जो इसी पुस्तक में अलग दर्ज है, पूजा में सम्मिलित होने वालों में से जो सहस्रनामावली का उच्चारण कर सके एक एक नाम के आरमी में "ॐ" और अन्त में "**नमः**" जोड़कर इष्टदेवता पर फूल चढ़ायें जैसे ॐ

महाविद्यायैः नमः, ॐ जगत् मात्रेः नमः "ॐ नारायणाय नमः" ॐ शिवाय नमः" जो भक्तजन पूजा में सम्मिलित होंगे वे भी हरनाम के साथ "नमः" का सामूहिक रूप से उच्चारण किया करें। **यज्ञ में स्वाहा**, पुष्पार्चन में **नमः** का प्रयोग होता है।

हर 100वीं पुष्पांजलि अर्पण करने के समय इष्टदेव का वैदिक मन्त्र अवश्य पढ़ें जो इसी पुस्तक में दर्ज है।

हजारवीं पुष्पाँजलि डालते समय सभी भक्त खड़े होकर वैदिकमन्त्र और इष्टदेव का कोई श्लोक पढ़कर अन्तिम पुष्पांजलि श्रद्धा से अर्पण करे।

धूपदीप विधिः

पूजा के लिये रखे गये निर्माल्य के पात्र में जल की धारा डालते हुये पढें:-

ॐअस्य श्री-आसन-शोधन मन्त्रस्य मेरुपृष्ठ-ऋषिः सुतलं छन्दः, कूर्मो देवता-आसन-शोधने विनियोगः।

पृथ्वी माता को नमस्कार करते हुए पढें:- **पृथ्विी त्वया धृता लोका देवि त्वं विष्णुना धृता। त्वं च धारय मां देवि पवित्रं कुरू चासनम्।** आसन के रूप में पृथ्वी माता को दर्भ अथवा फूल अर्पण करते हुये पढें:- **ध्रुवा द्यौर्-ध्रुवा-पृथ्वी, ध्रवासः पर्वता इमे। ध्रुवं विश्वम्-इदं जगत् ध्रुवो राजा विशाम्-असि।** तिलक-फूल-अर्घ्य चढाते हुये पढें:- **प्रीं पृथिव्यै आधारशक्त्यै समालभनं गन्धो नमः अर्घो नमः पुष्पं नमः।** नमस्कार करते हुये पढें:- **शुक्लाम्बरधरं विष्णुं शशिवर्णं चतुर्भुजम्। प्रसन्न-वदनं ध्याये सर्व-विघ्नोप-शान्तये। अभि-प्रीतार्थ-सिद्धयर्थं पूजितो यः सुरैर्-अपि। सर्व विघ्नच्छिदे तस्मै गणाधि-पतये नमः।**

गुरुः-ब्रह्मा, गुरुः-विष्णुः गुरुः-साक्षात्-महेश्वरः। गुरुर्-एव जगत्सर्वं तस्मै श्री गुरु-वे नमः।। ॐ गुरवे नमः, परम गुरवे नमः, पर-मेष्ठिने गुरवे नमः, परमा-चार्याय नमः आदि सिद्धिभ्यो नमः।

अंग न्यास-कीजिये अंगन्यास करके चारों दिशाओं की ओर तिल फेंकते हुये

अपसर्पन्तु ते भूता ये भूता भुवि संस्थिता, ये भूता विध्नकर्तारः- ते नश्यन्तु शिवाज्ञया।।

प्राणायाम कीजिये, प्राणायाम करके मुँह और पैरों को छिडकते हुये पढें:-

तीर्थे स्नेयं तीर्थम्-एव समानानां भवति मानः, शंस्योर्-अर-रुषो धूर्तिः प्राणङ्-मर्त्यस्य रक्षाणो ब्रह्मणस्पते।

अनामिका अंगुली के ऊपर वाले पर्व पर पवित्र-धारण करते हुये पढें:-

वसोः पवित्रम्-असि शतधांर वसूनां पवित्रम्-असि, सहस्र-धारम्-अयक्ष्मा वः प्रजया संसृजामि रायस्पोषेण बहुला भवन्ति।

जंग चावल आदि लाकर तिलक करना। अपने आपको तिलक अक्षत धूप चढ़ाते हुये पढें:-

परमात्मने पुरु-षोत्तमाय पंचभूतात्मकाय विश्वात्मने मन्त्रनाथाय आधार-शक्त्यै समाल-भनं गन्धो नमः अर्घो नमः पुष्पं नमः।

चौंग (धीप) को तिलक अक्षत फूल चढाते हुये पढें:-

"स्वप्रकाशो-महादीपः सर्वत-स्तिमिरा-पहः। प्रसीद मम गोविन्द दीपोयं प्रतिकल्पितः। भो दीप देव-रूवपस्त्वं कर्म-समाप्तिः याक्त् स्यात्-तावत् त्वं स्थिरो भव।

सूर्य देवता के निमित्त निर्माल्यपात्र में तिलक अक्षत फूल डालते हुये पढें:-

यत्रास्ति माता न पिता न बन्धुः-भ्रतापि नो यत्र सुहृत्-जनश्च न ज्ञायते यत्र दिनं न रात्रिः-तत्रात्म-दीपं शरणं प्रपद्ये। आत्मने नारायणाय आधार-शक्त्यै दीप-धूप-संकल्पात्-सिद्धिर्-अस्तु दीपो नमः धूपो नमः। ॐ तत्-सत्-ब्रह्म अद्यतावत्-तिथौ-अद्य... मासस्य... पक्षस्य.... तिथौ..... वासरे दीपोनमः धूपोनमः।

अथ श्रीशारदासहस्त्र स्वाहाकार पूजन विधिः।

भैरवी उवाच

भगवन् सर्वधर्मज्ञ सर्वलोकनमस्कृतः।

सर्वागमैक तत्वज्ञ तत्वसागर पारग।।

कृपापरोऽसि देवेश शरणागत वत्सल।
पुरामह्यं वरो दत्तो देवदानव संगरे।।
तमद्य भगवन्त्वत्तो याचेऽहं परमेश्वर।।
प्रयच्छ त्वरितं शम्भो यद्यहं प्रेयसीतव।।

भैरव उवाच

देव देवि पुरासत्यं सुरासुर रणेजिरे।
वरो दत्तो मया तेऽद्य वरं याचस्ववाञ्छितम्।।

भैरवी उवाच

भगवन् या महादेवी शारदाख्या सरस्वती।
काश्मीरस्यां स्वतपसा शाण्डिल्येनावतारिता।।
तस्या नाम सहस्रं मे भोगमोक्षैक साधनम्।
साधकानां हितार्थाय वदत्वं परमेश्वर।।

भैरव उवाच

रहस्यमेतदखिलं देवानां परमेश्वरि।
परापर रहस्यं च जगतां भुवनेश्वरि।।
या देवी शारदाख्येति जगन्माता सरस्वती।
पञ्चाक्षरी च षट्कूट त्र्यैलोक्य प्रथिता सदा।
तया ततमिदं विश्वं तया सम्पाल्यते जगत्।
सेवस्वं हरते चान्ते सैवं मुक्तिप्रदायिनी।।
देव देवी महाविद्या परतत्वैक रूपिणी।
तस्यानाम सहस्रं ते वक्ष्येऽहं भक्तिसाधनम्।
त्रिवर्गं फलदं गोप्यं साधके च प्रदायकम्।

विनियोगः

ॐ अस्य श्रीशारदा भगवती सहस्रनाम मन्त्रस्य

श्रीभगवान् भैरव ऋषिः, त्रिष्टुप् छन्दः, पञ्चाक्षरी शारदा भगवती देवता, क्लीं बीजं, ह्रीं शक्तिः, नम इति कीलकं, त्रिवर्ग फल सिध्यर्थं श्रीशारदासहस्त्र नामपाठे विनियोगः।

अथ करन्यास

ह्रीं क्लीं अङ्गुष्ठाभ्यां नमः, ह्रीं क्लीं तर्जनीभ्यां नमः, हूं क्लूं मध्यमाभ्यां नमः, हैं क्लैं अनामिकाभ्यां नमः, हौं क्लौं कनिष्ठकाभ्यां नमः, हः क्लः करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः।

अथ हृदयादिन्यासः

हाँ क्लाँ हृदयाय नमः ह्रीं क्लीं शिरसे स्वाहा, हूँ क्लूँ शिखायै वषट्, हैं क्लैं कवचाय हुम्, हौं क्लौं नेत्रत्रयाय वौषट्, हः क्लः अस्त्राय फट्, ॐ भूर्भुव स्वरोमिति दिग्बन्धनम्।

अथ ध्यानम्

शक्तिचाप शरघण्टिका सुधापात्र-
रत्नकलशाल्लसत्कराम्।
पूर्णचन्द्रवदनां त्रिलोचनां-
शारदां नमत सर्वसिद्धिदाम्।।

श्री श्रीशैलस्थिता या प्रहसितवदना पार्वती-शूलहस्ता।
वह्निसूर्येन्दुनेत्रा त्रिभुनजननी षड्भुजा सर्वशक्तिः।
शाण्डिल्येनोपनीता जयति भगवती भक्तिगम्या नतानाम्। सा नः सिंहासनस्था ह्यभिमतफलदा शारदा शं करोतु।

शारदा स्तुतिः

शारदा शारदाम्भोजवदना वदनाम्बुजे
सर्वदा सर्वदास्माकं सन्निधिं सन्निधिं क्रियात्।।1।।

पातु नो निकषग्रावा मतिहेम्नः सरस्वती।
प्राज्ञेतर-परिच्छेदं वचसैव करोति या।।2।।

सरस्वति महाभागे विद्ये कमल लोचने
विश्वरूपे विश्वालाक्षि विद्यां देहि सरस्वति।।3।।

या देवी सर्वभूतेषु शान्तिरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमोनमः।।4।।

या देवी सर्वभूतेषु श्रद्धारूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमोनमः।।5।।

या देवी सर्वभूतेषु कान्तिरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमोनमः।।6।।

या देवी सर्वभूतेषु लक्ष्मीरूपेण, संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमोनमः।।7।।

या देवी सर्वभूतेषु स्मृतिरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमोनमः।8।।

या देवी सर्वभूतेषु दयारूपेण, संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमोनमः।।9।।

या देवी सर्वभूतेषु तुष्टिरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमोनमः।।10।।

ॐ ह्रीं क्लीं शारदायै स्वाहा

ॐ शान्तायै स्वाहा

ॐ श्री मत्यै स्वाहा

ॐ श्रीशुभङ्कर्यै स्वाहा

ॐ शुभाशान्तायै स्वाहा

ॐ शरद्बीजायै स्वाहा

ॐ श्यामिकायै स्वाहा

ॐ श्यामकुन्तलयै स्वाहा

ॐ शोभावत्यै स्वाहा

ॐ शशाङ्केश्यै स्वाहा

ॐ शातकुम्भप्रकाशिन्यै स्वाहा

ॐ प्रताप्यायै स्वाहा

ॐ तापिन्यै स्वाहा

ॐ ताप्यायै स्वाहा

ॐ शीतलायै स्वाहा

ॐ शेषशायिन्यै स्वाहा
ॐ श्यामायै स्वाहा
ॐ शान्तिकर्यै स्वाहा
ॐ शान्त्यै स्वाहा
ॐ श्रीकर्यै स्वाहा
ॐ वीरसूदिन्यै स्वाहा
ॐ वेश्यावेश्यकर्यै स्वाहा
ॐ वैश्यायै स्वाहा
ॐ वानरीवेपमान्वितायै स्वाहा
ॐ वाचाल्यै स्वाहा
ॐ शुभगायै स्वाहा
ॐ शोभ्यायै स्वाहा
ॐ शोभनायै स्वाहा
ॐ शुचिस्मितायै स्वाहा
ॐ जगन्मात्रे स्वाहा

ॐ जगद्धात्र्यै स्वाहा
ॐ जगत्पालनकारिण्यै स्वाहा
ॐ हारिण्यै स्वाहा
ॐ गदिन्यै स्वाहा
ॐ गोधायै स्वाहा
ॐ गोमत्यै स्वाहा
ॐ जगदाश्रयायै स्वाहा
ॐ सौम्यायै स्वाहा
ॐ याम्यायै स्वाहा
ॐ काम्यायै स्वाहा
ॐ वाम्यायै स्वाहा
ॐ वाचामगोचरायै स्वाहा
ॐ ऐन्द्रयै स्वाहा
ॐ चान्द्रयै स्वाहा
ॐ कलाकान्तायै स्वाहा

ॐ शशिमण्डलमध्यगायै स्वाहा
ॐ आग्नेय्यै स्वाहा
ॐ वारुण्यै स्वाहा
ॐ वाण्यै स्वाहा
ॐ करुणाकरुणाश्रयायै स्वाहा
ॐ नैनृत्यै स्वाहा
ॐ नृतरुपायै स्वाहा
ॐ वायव्यै स्वाहा
ॐ वाग्भवोद्भवायै स्वाहा
ॐ कौवेर्यै स्वाहा
ॐ कूवर्यै स्वाहा
ॐ कोलायै स्वाहा
ॐ कामेश्यै स्वाहा
ॐ कामसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ खेशान्यै स्वाहा

ॐ केशिनीकारामोचन्यै स्वाहा
ॐ धेनुकामुदायै स्वाहा
ॐ कामधेनवे स्वाहा
ॐ कपालेश्यै स्वाहा
ॐ कपालकरसंयतायै स्वाहा
ॐ चामुण्डायै स्वाहा
ॐ मूल्यदामूर्त्यै स्वाहा
ॐ मुण्डमालाविभूषणायै स्वाहा
ॐ सुमेरुतनयायै स्वाहा
ॐ वन्द्यायै स्वाहा
ॐ चण्डिकायै स्वाहा
ॐ चण्डसूदिन्यै स्वाहा
ॐ चण्डांसुतैजसीमूर्त्यै स्वाहा
ॐ चण्डेश्यै स्वाहा
ॐ चण्डविक्रमायै स्वाहा

ॐ चाटुकायै स्वाहा
ॐ चाटक्यै स्वाहा
ॐ चर्च्यै स्वाहा
ॐ चारुहंसायै स्वाहा
ॐ चमत्कृत्यै स्वाहा
ॐ ललज्जिह्वायै स्वाहा
ॐ सरोजाक्ष्यै स्वाहा
ॐ मुण्डस्रजे स्वाहा
ॐ मुण्डधारिण्यै स्वाहा
ॐ सर्वानन्दयय्यै स्वाहा
ॐ स्तुत्यायै स्वाहा
ॐ सकलानन्दवर्धिन्यै स्वाहा
ॐ धृत्यै स्वाहा
ॐ कृत्यै स्वाहा
ॐ स्थितिमूर्त्यै स्वाहा

ॐ द्यौवासायै स्वाहा
ॐ चारुहंसिन्यै स्वाहा
ॐ रुक्माङ्गदायै स्वाहा
ॐ रुक्मवर्णायै स्वाहा
ॐ रुक्मिण्यै स्वाहा
ॐ रुक्मभूषणायै स्वाहा
ॐ कामदायै स्वाहा
ॐ मोक्षदायै स्वाहा
ॐ नन्दायै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ नारसिंह्यै स्वाहा 100

ॐ नृपात्मजायै स्वाहा

ॐ नारायण्यै स्वाहा
ॐ नरोत्तुङ्गायै स्वाहा
ॐ नागिन्यै स्वाहा
ॐ नगनन्दिन्यै स्वाहा
ॐ नागश्रियै स्वाहा
ॐ गिरिजायै स्वाहा
ॐ गुह्यायै स्वाहा
ॐ गुह्यकेश्यै स्वाहा
ॐ गरीयस्यै स्वाहा
ॐ गुणाश्रयायै स्वाहा
ॐ गुणातीतायै स्वाहा
ॐ गजराजोपरिस्थितायै स्वाहा
ॐ गजाकारायै स्वाहा
ॐ गणेशान्यै स्वाहा
ॐ गणगन्धर्वसेवितायै स्वाहा

ॐ दीर्घकेश्यै स्वाहा
ॐ सुकेश्यै स्वाहा
ॐ पिंगलायै स्वाहा
ॐ पिंगलालकायै स्वाहा
ॐ भयदायै स्वाहा
ॐ भवमान्यायै स्वाहा
ॐ भवान्यै स्वाहा
ॐ भवतोषितायै स्वाहा
ॐ भवालस्यायै स्वाहा
ॐ भद्रधात्र्यै स्वाहा
ॐ भीरुण्डायै स्वाहा
ॐ भगमालिन्यै स्वाहा
ॐ पौरन्धर्यै स्वाहा
ॐ परञ्ज्योत्यै स्वाहा
ॐ पुरन्धरसमर्चितायै स्वाहा

ॐ पिनाकीर्तिकर्यै स्वाहा
ॐ कीर्त्यै स्वाहा
ॐ केयूराढ्यामहाकचायै स्वाहा
ॐ घोररूपायै स्वाहा
ॐ महेशान्यै स्वाहा
ॐ कोमलाकोमलालकायै स्वाहा
ॐ कल्याण्यै स्वाहा
ॐ कामनाकुब्जायै स्वाहा
ॐ कनकाङ्गदभूषितायै स्वाहा
ॐ केनाश्यै स्वाहा
ॐ वरदाकाल्यै स्वाहा
ॐ महामेधायै स्वाहा
ॐ महोत्सवायै स्वाहा
ॐ विरुपायै स्वाहा
ॐ विश्वरूपायै स्वाहा

ॐ विश्वधात्र्यै स्वाहा
ॐ पिलंपिलायै स्वाहा
ॐ पद्मालयै स्वाहा
ॐ महापद्मालयै स्वाहा
ॐ पुण्यापण्यजनेश्वर्यै स्वाहा
ॐ जह्नुकन्यायै स्वाहा
ॐ मनोज्ञायै स्वाहा
ॐ मानस्यै स्वाहा
ॐ मनुपूजितायै स्वाहा
ॐ कामरुपायै स्वाहा
ॐ कामकलायै स्वाहा
ॐ कमनीयायै स्वाहा
ॐ कलावत्यै स्वाहा
ॐ वैकुण्ठपत्न्यै स्वाहा
ॐ कमलायै स्वाहा

ॐ शिवपत्यै स्वाहा
ॐ पार्वत्यै स्वाहा
ॐ काम्यस्यै स्वाहा
ॐ गारुडीविद्यायै स्वाहा
ॐ विश्वसुवे स्वाहा
ॐ वीरसुवे स्वाहा
ॐ नैनृत्यै स्वाहा
ॐ दित्यै स्वाहा
ॐ माहेश्वर्यै स्वाहा
ॐ वैष्णव्यै स्वाहा
ॐ ब्राह्म्यै स्वाहा
ॐ ब्राह्मणपूजितायै स्वाहा
ॐ मान्यायै स्वाहा
ॐ मानवत्यै स्वाहा
ॐ धन्यायै स्वाहा

ॐ धनदायै स्वाहा
ॐ धनदेश्वर्यै स्वाहा
ॐ अपर्णायै स्वाहा
ॐ पर्णमिथिलायै स्वाहा
ॐ पर्णशालपरम्परायै स्वाहा
ॐ पद्माक्ष्यै स्वाहा
ॐ नीलवस्त्रायै स्वाहा
ॐ निम्नानीलयताकिन्यै स्वाहा
ॐ दयावत्यै स्वाहा
ॐ दयाधीरायै स्वाहा
ॐ धैर्यभूषणभूषितायै स्वाहा
ॐ जलेश्वर्यै स्वाहा
ॐ मल्लहन्त्र्यै स्वाहा
ॐ भल्लहस्तमलापहायै स्वाहा
ॐ कौमुद्यै स्वाहा

ॐ कौमार्यै स्वाहा
ॐ कुमारीकुमुदाकरायै स्वाहा
ॐ पद्मिन्यै स्वाहा
ॐ पद्मनयनायै स्वाहा
ॐ कुलजायै स्वाहा
ॐ कुलकौलिकायै स्वाहा
ॐ करालायै स्वाहा
ॐ विकरालाक्ष्यै स्वाहा
ॐ विस्रम्भायै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ दुरदुराकृत्यै स्वाहा 200

ॐ वनदुर्गायै स्वाहा

ॐ सदाचारायै स्वाहा
ॐ सदाशान्तायै स्वाहा
ॐ सदाशिवायै स्वाहा
ॐ सृष्टयै स्वाहा
ॐ सृष्टकर्यै स्वाहा
ॐ साध्व्यै स्वाहा
ॐ मानुष्यै स्वाहा
ॐ देवकीद्युत्यै स्वाहा
ॐ वसुदायै स्वाहा
ॐ वासव्यै स्वाहा
ॐ वेणवे स्वाहा
ॐ वाराह्यै स्वाहा
ॐ अपराजितायै स्वाहा
ॐ रोहिण्यै स्वाहा
ॐ रमणारामायै स्वाहा

ॐ मोहिन्यै स्वाहा
ॐ मधुराकृत्यै स्वाहा
ॐ शिवशक्त्यै स्वाहा
ॐ महाशक्त्यै स्वाहा
ॐ शाङ्कर्यै स्वाहा
ॐ टङ्कधारिण्यै स्वाहा
ॐ शङ्खावङ्कालमालाढ्ययै स्वाहा
ॐ लङ्काकङ्कणभूषितायै स्वाहा
ॐ दैत्यापहरादीप्तायै स्वाहा
ॐ दासोज्वलकुचाग्रिण्यै स्वाहा
ॐ क्षान्त्यै स्वाहा
ॐ क्षोमङ्कर्यै स्वाहा
ॐ बुद्ध्यै स्वाहा
ॐ वोधाचारपरायणायै स्वाहा
ॐ श्रीविद्यायै स्वाहा

ॐ भैरवीविद्यायै स्वाहा
ॐ भारत्यै स्वाहा
ॐ भयघातिन्यै स्वाहा
ॐ भीमायै स्वाहा
ॐ भीमारवायै स्वाहा
ॐ भैम्यै स्वाहा
ॐ भङ्गुरायै स्वाहा
ॐ क्षणभंगुरायै स्वाहा
ॐ जित्यायै स्वाहा
ॐ पिनाकभृत्सैन्यायै स्वाहा
ॐ शंखिन्यै स्वाहा
ॐ शंखधारिण्यै स्वाहा
ॐ देवाङ्गनायै स्वाहा
ॐ देवमान्यायै स्वाहा
ॐ दैत्यसुवे स्वाहा

ॐ दैत्यमर्दिन्यै स्वाहा
ॐ देवकन्यायै स्वाहा
ॐ पौलोम्यै स्वाहा
ॐ रतिसुन्दरदोस्तव्यै स्वाहा
ॐ सुखिन्यै स्वाहा
ॐ शौकिन्यै स्वाहा
ॐ शौक्ल्यै स्वाहा
ॐ सर्वसौख्यविवर्धिन्यै स्वाहा
ॐ लोलालीलावत्यै स्वाहा
ॐ सूक्ष्मायै स्वाहा
ॐ सूक्ष्मासूक्ष्मगतिर्मत्यै स्वाहा
ॐ वरेण्यायै स्वाहा
ॐ वरदायै स्वाहा
ॐ वेण्यै स्वाहा
ॐ शरण्यायै स्वाहा

ॐ शरचापिन्यै स्वाहा
ॐ उग्रकाल्यै स्वाहा
ॐ महाकाल्यै स्वाहा
ॐ महाकालसमर्चितायै स्वाहा
ॐ ज्ञानदायै स्वाहा
ॐ योगिध्येयायै स्वाहा
ॐ गोवल्यै स्वाहा
ॐ योगवर्धिन्यै स्वाहा
ॐ पेशलायै स्वाहा
ॐ मधुरायै स्वाहा
ॐ मायायै स्वाहा
ॐ विष्णुमायायै स्वाहा
ॐ महोज्ज्वलायै स्वाहा
ॐ वाराणस्यै स्वाहा
ॐ अवन्त्यै स्वाहा

ॐ कान्त्यै स्वाहा
ॐ कुक्कुरक्षेत्रसुवे स्वाहा
ॐ अयोध्यायै स्वाहा
ॐ योगसूत्राढ्यायै स्वाहा
ॐ यादवेश्यै स्वाहा
ॐ यदुप्रियायै स्वाहा
ॐ यमहन्त्र्यै स्वाहा
ॐ यमदायै स्वाहा
ॐ यामिन्यै स्वाहा
ॐ योगवर्तिरायै स्वाहा
ॐ भस्मोज्ज्वलायै स्वाहा
ॐ भस्मशय्यायै स्वाहा
ॐ भस्मकाल्यै स्वाहा
ॐ चितार्चितायै स्वाहा
ॐ चन्द्रिकायै स्वाहा

ॐ शूलिन्यै स्वाहा
ॐ शिल्यायै स्वाहा
ॐ प्राशिन्यै स्वाहा
ॐ चन्द्रवासिन्यै स्वाहा
ॐ पद्महस्तायै स्वाहा
ॐ पीनायै स्वाहा
ॐ पाशिन्यै स्वाहा
ॐ पाशमोचन्यै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ सुधाकलशहस्तायै स्वाहा 300

ॐ सुधामूर्त्यै स्वाहा
ॐ सुधामय्यै स्वाहा

ॐ व्यूहायुधायै स्वाहा
ॐ वरारोहायै स्वाहा
ॐ वरदात्र्यै स्वाहा
ॐ वरोत्तमायै स्वाहा
ॐ पापाशनायै स्वाहा
ॐ महमूर्तायै स्वाहा
ॐ मोहदायै स्वाहा
ॐ मधुरास्वरायै स्वाहा
ॐ मधुपायै स्वाहा
ॐ माधव्यै स्वाहा
ॐ माल्यायै स्वाहा
ॐ मल्लिकायै स्वाहा
ॐ कालिकामृग्यै स्वाहा
ॐ मृगाक्ष्यै स्वाहा
ॐ मृगाराजस्थायै स्वाहा

ॐ कोशिकी नाश घातिन्यै स्वाहा
ॐ रक्ताम्बरधरायै स्वाहा
ॐ रात्र्यै स्वाहा
ॐ सुकेश्यै स्वाहा
ॐ सुरनायिकायै स्वाहा
ॐ सौरम्यै स्वाहा
ॐ सुरभ्यै स्वाहा
ॐ सूक्ष्मायै स्वाहा
ॐ स्वयम्भुवे स्वाहा
ॐ कुसुमार्चितायै स्वाहा
ॐ अम्बायै स्वाहा
ॐ जृम्भायै स्वाहा
ॐ जटाभूषायै स्वाहा
ॐ जूटिन्यै स्वाहा
ॐ जटिन्यै स्वाहा

ॐ नटयै स्वाहा
ॐ मर्मानन्दजायै स्वाहा
ॐ ज्येष्ठायै स्वाहा
ॐ श्रेष्ठायै स्वाहा
ॐ कामेष्ठवर्धिन्यै स्वाहा
ॐ रौद्रयै स्वाहा
ॐ रुद्रस्तनायै स्वाहा
ॐ रुद्रायै स्वाहा
ॐ शतरुद्रायै स्वाहा
ॐ शाम्भव्यै स्वाहा
ॐ श्रविष्ठायै स्वाहा
ॐ शितिकण्ठेश्यै स्वाहा
ॐ विमलानन्दवर्धिन्यै स्वाहा
ॐ कपर्दिन्यै स्वाहा
ॐ कल्पलतायै स्वाहा

ॐ महाप्रलयकारिण्यै स्वाहा
ॐ महाकल्पान्तसंहृष्टायै स्वाहा
ॐ महाकल्पक्षयङ्कर्यै स्वाहा
ॐ संवर्ताग्निप्रभासेव्यायै स्वाहा
ॐ सानन्दानन्दवर्धिन्यै स्वाहा
ॐ सुरसेनायै स्वाहा
ॐ मारेश्यै स्वाहा
ॐ सुराक्षीविवरोत्सुकायै स्वाहा
ॐ प्राणेश्वर्यै स्वाहा
ॐ पवित्रायै स्वाहा
ॐ पावन्यै स्वाहा
ॐ लोकपावन्यै स्वाहा
ॐ लेकधात्र्यै स्वाहा
ॐ महाशुक्लायै स्वाहा
ॐ शिशिराचलकन्यकायै स्वाहा

ॐ तमोग्नीध्वान्तसंहर्त्र्यै स्वाहा
ॐ यशोदायै स्वाहा
ॐ यशश्विन्यै स्वाहा
ॐ प्रद्योतन्यै स्वाहा
ॐ द्युतिमत्यै स्वाहा
ॐ धीमत्यै स्वाहा
ॐ लोकचर्चितायै स्वाहा
ॐ प्रणवेश्यै स्वाहा
ॐ परगत्यै स्वाहा
ॐ पारावारसुतासमायै स्वाहा
ॐ डाकिन्यै स्वाहा
ॐ शाकिन्यै स्वाहा
ॐ रुध्रायै स्वाहा
ॐ नीलानागाङ्गनानुत्यै स्वाहा
ॐ कुन्दद्युत्यै स्वाहा

ॐ कुरटायै स्वाहा
ॐ कान्तिदायै स्वाहा
ॐ भ्रान्तिदायै स्वाहा
ॐ भ्रमायै स्वाहा
ॐ चर्वितायै स्वाहा
ॐ चर्वितागोष्ठयै स्वाहा
ॐ गजाननसमर्चितायै स्वाहा
ॐ खगेश्वर्यै स्वाहा
ॐ खनीलायै स्वाहा
ॐ नादिन्यै स्वाहा
ॐ खगवाहिन्यै स्वाहा
ॐ चन्द्राननायै स्वाहा
ॐ महारुण्डायै स्वाहा
ॐ महोग्रायै स्वाहा
ॐ मीनकन्यकायै स्वाहा

ॐ मानप्रदायै स्वाहा
ॐ महारूपायै स्वाहा
ॐ महामाहेश्वरी-प्रियायै स्वाहा
ॐ मरुद्गणायै स्वाहा
ॐ महद्वक्त्रायै स्वाहा
ॐ महोरग-भयानकायै स्वाहा
ॐ महाघोणायै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ करेशायैं स्वाहा 400

ॐ मार्जायैं स्वाहा
ॐ मन्मथोज्ज्वलायै स्वाहा
ॐ कर्य्यै स्वाहा

ॐ हन्त्र्यै स्वाहा
ॐ पालयित्र्यै स्वाहा
ॐ चण्डमुण्डनिशूदिन्यै स्वाहा
ॐ निर्मलायै स्वाहा
ॐ भास्वत्यै स्वाहा
ॐ भीमायै स्वाहा
ॐ भद्रिकायै स्वाहा
ॐ भीमविक्रमायै स्वाहा
ॐ गङ्गायै स्वाहा
ॐ चन्द्रावत्यै स्वाहा
ॐ दिव्यायै स्वाहा
ॐ गोमत्यै स्वाहा
ॐ यमुनानद्यै स्वाहा
ॐ विपाशायै स्वाहा
ॐ सरयुवै स्वाहा

ॐ ताप्यै स्वाहा
ॐ वितस्तायै स्वाहा
ॐ कुङ्कुमार्चितायै स्वाहा
ॐ गण्डक्यै स्वाहा
ॐ नर्मदायै स्वाहा
ॐ गौर्यै स्वाहा
ॐ चन्द्रभागाय स्वाहा
ॐ सरस्वत्यै स्वाहा
ॐ ऐरावत्यै स्वाहा
ॐ कावेर्यै स्वाहा
ॐ शतह्रवायै स्वाहा
ॐ शतहृदायै स्वाहा
ॐ श्वेतवाहनसेव्यायै स्वाहा
ॐ श्वेतास्यायै स्वाहा

ॐ स्मितभाविन्यै स्वाहा

ॐ कौशाम्ब्यै स्वाहा
ॐ कोशदायै स्वाहा
ॐ कोश्यायै स्वाहा
ॐ काश्मीरकनकेलिन्यै स्वाहा
ॐ कोमलायै स्वाहा
ॐ विदेहायै स्वाहा
ॐ पूः पुर्यै स्वाहा
ॐ पुरसूदिन्यै स्वाहा
ॐ पौरुखायै स्वाहा
ॐ पलापाल्यै स्वाहा
ॐ पीवराङ्ग्यै स्वाहा
ॐ गुरुप्रियायै स्वाहा
ॐ पुरारिगृहिण्यै स्वाहा
ॐ पूर्णायै स्वाहा
ॐ पूर्णरूप-रजस्वलायै स्वाहा

ॐ सम्पूर्णचन्द्रवदनायै स्वाहा
ॐ बालचन्द्रसमद्युत्यै स्वाहा
ॐ रेवत्यै स्वाहा
ॐ प्रेयस्यै स्वाहा
ॐ रेबायै स्वाहा
ॐ चित्राचित्राम्बराचमवे स्वाहा
ॐ नवपुष्पसमद्भूतायै स्वाहा
ॐ नवपुष्पैकहारिण्यै स्वाहा
ॐ नवपुष्पससाम्रालायै स्वाहा
ॐ नवपुष्पकुलावनायै स्वाहा
ॐ नवपुष्पोद्भवप्रीतायै स्वाहा
ॐ नवपुष्पसमाश्रयायै स्वाहा
ॐ नवपुष्पललत्केशायै स्वाहा
ॐ नवपुष्पललन्मुखायै स्वाहा
ॐ नवपुष्पललत्कर्णायै स्वाहा

ॐ नवपुष्पललत्कट्यै स्वाहा
ॐ नवपुष्पललन्नेत्रायै स्वाहा
ॐ नवपुष्पललन्नासायै स्वाहा
ॐ नवपुष्पसमाकारायै स्वाहा
ॐ नवपुष्पललद्भुजायै स्वाहा
ॐ नवपुष्पललत्कण्ठायै स्वाहा
ॐ नवपुष्पार्चितस्तन्यै स्वाहा
ॐ नवपुष्पललन्मध्यायै स्वाहा
ॐ नवपुष्पकुलालकायै स्वाहा
ॐ नवपुष्पललन्नाभ्यै स्वाहा
ॐ नवपुष्पललद्भगायै स्वाहा
ॐ नवपुष्पललत्पादायै स्वाहा
ॐ नवपुष्पकुलाङ्गिन्यै स्वाहा
ॐ नवपुष्पगुणोत्पीडायै स्वाहा
ॐ नवपुष्पोपशोभितायै स्वाहा

ॐ नवपुष्पप्रियाप्रेतायै स्वाहा
ॐ प्रेतमण्डलमध्यगायै स्वाहा
ॐ प्रेतासनायै स्वाहा
ॐ प्रेतगत्यै स्वाहा
ॐ प्रेतकुण्डलभूषितायै स्वाहा
ॐ प्रेतबाहुकरायै स्वाहा
ॐ प्रेतशय्याशयनशायिन्यै स्वाहा
ॐ कुलाचारायै स्वाहा
ॐ कुलेशान्यै स्वाहा
ॐ कुलजायै स्वाहा
ॐ कुलकौलिन्यै स्वाहा
ॐ श्मशानभैरव्यै स्वाहा
ॐ कालभैरव्यै स्वाहा
ॐ शिवभैरव्यै स्वाहा
ॐ स्वयम्भूभैरव्यै स्वाहा

ॐ विष्णुभैरव्यै स्वाहा
ॐ सुरभैरव्यै स्वाहा
ॐ कुमारभैरव्यै स्वाहा
ॐ बालभैरव्यै स्वाहा
ॐ रूरुभैरव्यै स्वाहा
ॐ शशांखभैरव्यै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ सूर्यभैरव्यै स्वाहा 500

ॐ वह्निभैरव्यै स्वाहा
ॐ शोभादिभैरव्यै स्वाहा
ॐ मायाभैरव्यै स्वाहा
ॐ लोकभैरव्यै स्वाहा

ॐ महोग्रभैरव्यै स्वाहा
ॐ साध्वीभैरव्यै स्वाहा
ॐ मृतभैरव्यै स्वाहा
ॐ सम्मोहभैरव्यै स्वाहा
ॐ शब्दभैरव्यै स्वाहा
ॐ रसभैरव्यै स्वाहा
ॐ समस्तभैरव्यै स्वाहा
ॐ देवभैरव्यै स्वाहा
ॐ मन्त्रभैरव्यै स्वाहा
ॐ सुन्दराङ्ग्यै स्वाहा
ॐ मनोहन्त्र्यै स्वाहा
ॐ महाश्मशानसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ सुरेशसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ देवसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ लोकसुन्दर्यै स्वाहा

ॐ त्र्यैलाक्यसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ ब्रह्मसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ विष्णुसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ गिरीशसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ कामसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ गुणसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ आनन्दसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ वक्त्रसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ चन्द्रसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ आदित्यसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ वीरसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ वह्निसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ पद्माक्षसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ पद्मसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ पुष्पसुन्दर्यै स्वाहा

ॐ गुणदासुन्दर्यै स्वाहा
ॐ देवीसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ पुरसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ महेशसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ देवीमहात्रिपुरसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ स्वयम्भूसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ देवीस्वयम्भू पुष्पसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ शुक्रैकसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ लिङ्गसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ भगसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ विश्वेशसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ विद्यासुन्दर्यै स्वाहा
ॐ कालसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ शुक्रेश्वर्यै स्वाहा
ॐ महाशुक्रायै स्वाहा

ॐ शुक्रतर्पणतर्पितायै स्वाहा
ॐ शुक्रोद्भवायै स्वाहा
ॐ शुक्ररसायै स्वाहा
ॐ शुक्रपूजन तोषितायै स्वाहा
ॐ शुक्रात्मिकायै स्वाहा
ॐ शुक्रकर्यै स्वाहा
ॐ शुक्रस्नेहायै स्वाहा
ॐ शुक्रिण्यै स्वाहा
ॐ शुक्रसेव्यायै स्वाहा
ॐ सुराशुक्रायै स्वाहा
ॐ शुक्रलिप्तायै स्वाहा
ॐ मनोन्मनायै स्वाहा
ॐ शुक्रहारायै स्वाहा
ॐ सदाशुक्रायै स्वाहा
ॐ शुक्ररुपायै स्वाहा

ॐ शुक्रजायै स्वाहा
ॐ शुक्रसुवे स्वाहा
ॐ शुक्ररम्यङ्ग्यै स्वाहा
ॐ शुक्राशुक्र विवर्धिन्यै स्वाहा
ॐ शुक्रोत्तमायै स्वाहा
ॐ शुक्रपूजायै स्वाहा
ॐ शुक्रेश्यै स्वाहा
ॐ शुक्रवल्लभायै स्वाहा
ॐ ज्ञानेश्वर्यै स्वाहा
ॐ भगोत्तुङ्गायै स्वाहा
ॐ भगमाला विहारिण्यै स्वाहा
ॐ भगलिङ्गैक रसिकायै स्वाहा
ॐ लिङ्गिन्यै स्वाहा
ॐ भगमालिन्यै स्वाहा
ॐ वैन्दवेश्यै स्वाहा

ॐ भगाकारायै स्वाहा
ॐ भगलिङ्गादिशुक्रसुवे स्वाहा
ॐ वात्याल्यै स्वाहा
ॐ विनतायै स्वाहा
ॐ वात्यारूपिण्यै स्वाहा
ॐ मेघमालिन्यै स्वाहा
ॐ गुणाश्रयायै स्वाहा
ॐ गुणवत्यै स्वाहा
ॐ गुणगौरवसुन्दर्यै स्वाहा
ॐ पुष्पतारायै स्वाहा
ॐ महापुष्पायै स्वाहा
ॐ पुष्ट्यै स्वाहा
ॐ परमलघुजायै स्वाहा
ॐ स्वयम्भूपुष्पसंकाशायै स्वाहा
ॐ स्वयम्भूपुष्पपूजितायै स्वाहा

ॐ स्वयम्भूकुसुमन्यासायै स्वाहा
ॐ स्वयम्भूकुसुमार्चितायै स्वाहा
ॐ स्वयम्भूपुष्पसरस्यै स्वाहा
ॐ स्वयभ्भूपुष्पपुष्पिण्यै स्वाहा
ॐ शुक्रप्रियायै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ शुक्रतायै स्वाहा 600

ॐ शुक्रमज्जनतत्परायै स्वाहा
ॐ अपानाप्राणरुपायै स्वाहा
ॐ व्यानोदानस्वरूपिण्यै स्वाहा
ॐ प्राणदायै स्वाहा
ॐ मदिरामोदायै स्वाहा

ॐ मधुमत्तायै स्वाहा
ॐ मदोद्धतायै स्वाहा
ॐ सर्वाश्रयायै स्वाहा
ॐ सर्वगुणायै स्वाहा
ॐ अवस्थासर्वतोमुख्यै स्वाहा
ॐ नारीपुष्पसमप्राणायै स्वाहा
ॐ नारीपुष्पसमुत्सुकायै स्वाहा
ॐ नारीपुष्पलतानार्यै स्वाहा
ॐ नारीपुष्पस्त्रजार्चितायै स्वाहा
ॐ षड्गुणाषड्गुणातीतायै स्वाहा
ॐ षोड़शीशशिनकलायै स्वाहा
ॐ चतुर्भुजायै स्वाहा
ॐ दशभुजायै स्वाहा
ॐ अष्टादशभुजायै स्वाहा

ॐ द्विभुजायै स्वाहा

ॐ एकषट्कोणायै स्वाहा
ॐ त्रिकोणनिलयाश्रयायै स्वाहा
ॐ स्रोतस्वत्यै स्वाहा
ॐ महादेव्यै स्वाहा
ॐ महारौद्र्यै स्वाहा
ॐ दुरान्तकायै स्वाहा
ॐ दीर्घनासायै स्वाहा
ॐ सुनासायै स्वाहा
ॐ दीर्घजिह्वायै स्वाहा
ॐ मौलिन्यै स्वाहा
ॐ सर्वाधारायै स्वाहा
ॐ सर्वमय्यै स्वाहा
ॐ सारस्यै स्वाहा
ॐ सरलाश्रयायै स्वाहा
ॐ सहस्रनयना-प्राणायै स्वाहा

ॐ सहस्राक्षायै स्वाहा
ॐ समर्चितायै स्वाहा
ॐ सहस्रशीर्षायै स्वाहा
ॐ सुभटायै स्वाहा
ॐ सुभाक्षायै स्वाहा
ॐ दक्षपुत्रिण्यै स्वाहा
ॐ षष्टिकायै स्वाहा
ॐ षष्टिचक्रस्थायै स्वाहा
ॐ षड्वर्गफलदायिन्यै स्वाहा
ॐ आदित्यै स्वाहा
ॐ दितिरात्मने स्वाहा
ॐ श्रीराद्यायै स्वाहा
ॐ अङ्कामचक्रिण्यै स्वाहा
ॐ भरण्यै स्वाहा
ॐ भगबिम्बाक्ष्यै स्वाहा

ॐ कृत्तिकायै स्वाहा
ॐ इक्ष्वसादितायै स्वाहा
ॐ इनाश्रियै स्वाहा
ॐ रोहिण्यै स्वाहा
ॐ चेष्टयै स्वाहा
ॐ चेष्टामृगशिरोधरायै स्वाहा
ॐ ईश्वर्यै स्वाहा
ॐ वाग्भव्यै स्वाहा
ॐ चान्द्रयै स्वाहा
ॐ पौलोमिन्यै स्वाहा
ॐ मुनिसेवितायै स्वाहा
ॐ उमायै स्वाहा
ॐ पुनर्जायायै स्वाहा
ॐ जारायै स्वाहा
ॐ ऊष्मरुन्धायै स्वाहा

ॐ पुनर्वसुवे स्वाहा
ॐ चारु, स्तुत्यायै स्वाहा
ॐ तिमि, स्थान्त्यै स्वाहा
ॐ जाडिनी, लिप्तदेहिन्यै स्वाहा
ॐ लीढ्यायै स्वाहा
ॐ मूलेश्मतरायै स्वाहा
ॐ शिलष्टायै स्वाहा
ॐ मघवार्चितपादुक्यै स्वाहा
ॐ मघामोघायै स्वाहा
ॐ इणाक्ष्ये स्वाहा
ॐ ऐश्वर्यपददायिन्यै स्वाहा
ॐ ऐंकार्यै स्वाहा
ॐ चन्द्रमुकुटायै स्वाहा
ॐ पूर्वाफाल्गुनि, कीश्वर्यै स्वाहा
ॐ उत्तराफल्गु, हस्तायै स्वाहा

ॐ हस्तिसेव्या, समेक्षणायै स्वाहा
ॐ ओजस्विन्यै स्वाहा
ॐ उत्साहायै स्वाहा
ॐ चित्रिण्यै स्वाहा
ॐ चित्रभूषणायै स्वाहा
ॐ अम्भोजनयनायै स्वाहा
ॐ स्वात्यै स्वाहा
ॐ विशाखायै स्वाहा
ॐ जननीशिखायै स्वाहा
ॐ अकार, निलयायै स्वाहा
ॐ नरसेव्यायै स्वाहा
ॐ ज्येष्ठदायै स्वाहा
ॐ मूलापूर्वादि, षाढेश्यै स्वाहा
ॐ उत्तराषाढ्या, वन्यै स्वाहा
ॐ श्रवणायै स्वाहा

ॐ धर्मिण्यै स्वाहा
ॐ धर्मायै नमः स्वाहा
ॐ धनिष्ठायै स्वाहा
ॐ शतभिषजे स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ पूर्वाभाद्रपद-स्थानायै स्वाहा 700

ॐ आतुरायै स्वाहा
ॐ भद्रपादिन्यै स्वाहा
ॐ रेवतीरमणा, स्तुत्मायै स्वाहा
ॐ नक्षत्रेश, समर्चितायै स्वाहा
ॐ कन्दर्प, दर्पिण्यै स्वाहा
ॐ दुर्गायै स्वाहा

ॐ कुरुकुल्लाक, पोलिन्यै स्वाहा
ॐ केतकीकुसुम, स्निग्धायै स्वाहा
ॐ केतकी कृतभूषणायै स्वाहा
ॐ कालिकायै स्वाहा
ॐ कालरात्र्यै स्वाहा
ॐ कुटुम्बिजन, तर्पितायै स्वाहा
ॐ कञ्जपत्राक्षिण्यै स्वाहा
ॐ कल्यारोपिण्यै स्वाहा
ॐ कालतोषितायै स्वाहा
ॐ कर्पूरपूर्ण, वदनायै स्वाहा
ॐ कचभारनता, ननायै स्वाहा
ॐ कलानाथ, कलामाल्यै स्वाहा
ॐ कलायै स्वाहा
ॐ कलिमलापहायै स्वाहा
ॐ कादम्बिन्यै स्वाहा

ॐ करिगत्यै स्वाहा
ॐ करिचक्र-समर्चितायै स्वाहा
ॐ कञ्जेश्वर्यै स्वाहा
ॐ कृपारूपायै स्वाहा
ॐ करुणामृत, वर्षिण्यै स्वाहा
ॐ खर्वायै स्वाहा
ॐ खद्योतरूपायै स्वाहा
ॐ खेटेश्यै स्वाहा
ॐ खड्ग, धारिण्यै स्वाहा
ॐ खद्योत, चञ्चाकेश्यै स्वाहा
ॐ खेचरीखेचरार्चितायै स्वाहा
ॐ गदाधरी, मायायै स्वाहा
ॐ गुर्व्यै स्वाहा
ॐ गुरुपुत्र्यै स्वाहा
ॐ गुरुप्रियायै स्वाहा

ॐ गीतावाद्य, प्रियायै नमः स्वाहा
ॐ गाथायै स्वाहा
ॐ गजवक्त्र, प्रसुवे स्वाहा
ॐ गत्यै स्वाहा
ॐ गरिष्ठायै स्वाहा
ॐ गणपूजायै स्वाहा
ॐ गूढगुल्फायै स्वाहा
ॐ गजेश्वर्यै स्वाहा
ॐ गणमान्यायै स्वाहा
ॐ गणेशान्यै स्वाहा
ॐ गाणपत्य, फलप्रदायै स्वाहा
ॐ घर्मांशु, नयनायै स्वाहा
ॐ घर्मायै स्वाहा
ॐ घोराघु, र्घरनादिन्यै स्वाहा
ॐ घटस्तन्यै स्वाहा

ॐ घटाकारायै स्वाहा
ॐ घुसृण, कुल्लित, स्तन्यै स्वाहा
ॐ घोराखायै स्वाहा
ॐ घोरमुख्यै स्वाहा
ॐ घोरदैत्य, निबर्हिण्यै स्वाहा
ॐ छनछायायै स्वाहा
ॐ घनद्युत्यै स्वाहा
ॐ घनवाहन, पूजितायै स्वाहा
ॐ टवकाटेशरूपायै स्वाहा
ॐ चतुराचतुर, स्तन्यै स्वाहा
ॐ चतुरनन, पूज्यायै स्वाहा
ॐ चतुर्भुज, समर्चितायै स्वाहा
ॐ चर्माम्बरायै स्वाहा
ॐ चरगत्यै स्वाहा
ॐ चतुर्वेदमयी, चलायै स्वाहा

ॐ चतुर्समुद्र, शयनायै स्वाहा
ॐ चतुर्दश, सुरार्चितायै स्वाहा
ॐ चकोरनयनायै स्वाहा
ॐ चम्पायै स्वाहा
ॐ चम्पकाकुल, कुन्तलायै स्वाहा
ॐ च्युता, चीराम्बरायै स्वाहा
ॐ चारुमूर्त्यै स्वाहा
ॐ चम्पक, मालिन्यै स्वाहा
ॐ छायायै स्वाहा
ॐ छद्मकर्यै स्वाहा
ॐ छिल्यै स्वाहा
ॐ छोटिकायै स्वाहा
ॐ छिन्न, मस्तकायै स्वाहा
ॐ छिन्न, शीर्षायै स्वाहा
ॐ छिन्न, नासायै स्वाहा

ॐ छिन्नवस्त्रा, वरूथिव्यै स्वाहा
ॐ छद्मिपत्रायै स्वाहा
ॐ छिन्नछल्कायै स्वाहा
ॐ छात्रमन्त्रा, नुग्राहिण्यै स्वाहा
ॐ छद्मिमन्यै स्वाहा
ॐ छद्मनिरतायै स्वाहा
ॐ छद्मसद्मुनि, वासिन्यै स्वाहा
ॐ छाया, सुतहरायै स्वाहा
ॐ छव्यायै स्वाहा
ॐ छलरूप, समुज्ज्वलायै स्वाहा
ॐ जयायै स्वाहा
ॐ विजयायै स्वाहा
ॐ जेयायै स्वाहा
ॐ जयमण्डल, मण्डितायै स्वाहा
ॐ जयनाथ, प्रियायै स्वाहा

ॐ जप्यायै स्वाहा
ॐ जयदायै स्वाहा
ॐ जयवर्धिन्यै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ ज्वालामुख्यै स्वाहा ४००

ॐ महाज्वालायै स्वाहा
ॐ जगत्त्राण, परायणायै स्वाहा
ॐ जगद्धात्र्यै स्वाहा
ॐ जगद्धर्त्र्यै स्वाहा
ॐ जगतामु, पकारिण्यै स्वाहा
ॐ जालन्धर्यै स्वाहा
ॐ जयन्त्यै स्वाहा

ॐ जम्बारारि, वरप्रदायै स्वाहा
ॐ झिल्ली, झङ्कार, मुखायै स्वाहा
ॐ झरी, झाङ्कारितायै स्वाहा
ॐ ञनरुपायै स्वाहा
ॐ महाञम्यै स्वाहा
ॐ ञहस्तायै स्वाहा
ॐ ञविलेचनायै स्वाहा
ॐ टङ्कारकारिण्यै स्वाहा
ॐ टीकायै स्वाहा
ॐ टिकाटङ्क, युधप्रियायै स्वाहा
ॐ ठुकुराङ्ग्यै स्वाहा
ॐ ठलाश्रयायै स्वाहा
ॐ ठकारत्रय, भूषणायै स्वाहा
ॐ डामर्यै स्वाहा
ॐ डमरप्रान्तायै स्वाहा

ॐ डमरु, प्रहितोन्मुख्यै स्वाहा
ॐ ढिल्यै स्वाहा
ॐ ढकारवायै स्वाहा
ॐ चाटायै स्वाहा
ॐ ढभूषा, भूषिता, ननायै स्वाहा
ॐ णान्तायै स्वाहा
ॐ णवर्णसंयुक्तायै स्वाहा
ॐ णेयाणेय, विनाशिन्यै स्वाहा
ॐ तुलात्र्यक्ष्यै स्वाहा
ॐ त्रिनयनायै स्वाहा
ॐ त्रिनेत्रवरदायिन्यै स्वाहा
ॐ तारातार, वयातुल्यायै स्वाहा
ॐ तारवर्ण, समन्वितायै स्वाहा
ॐ उग्रतारायै स्वाहा
ॐ महातारायै स्वाहा

ॐ तोतुलातुल, विक्रमायै स्वाहा
ॐ त्रिपुरात्रि, पुरेशान्यै स्वाहा
ॐ त्रिपुरान्तक, रोहिण्यै स्वाहा
ॐ तन्त्रैक, निलयायै स्वाहा
ॐ त्र्यश्रायै स्वाहा
ॐ तुषारांशु, कलाधरायै स्वाहा
ॐ तपः प्रभावदायै स्वाहा
ॐ तृप्तायै स्वाहा
ॐ तपसाताप, हारिण्यै स्वाहा
ॐ तुषारकर, पूर्णास्यायै स्वाहा
ॐ तुहिनाद्रि, सुतातुषायै स्वाहा
ॐ तालायुधायै स्वाहा
ॐ ताक्ष्यर्यवेगायै स्वाहा
ॐ त्रिकूटायै स्वाहा
ॐ त्रिपुरेश्वर्यै स्वाहा

ॐ थकारकण्ठ, निलयायै स्वाहा
ॐ थाल्यै स्वाहा
ॐ थल्यै स्वाहा
ॐ थवर्णजायै स्वाहा
ॐ दयात्मिकायै स्वाहा
ॐ दीनखायै स्वाहा
ॐ दुःखदारिद्र, नाशिन्यै स्वाहा
ॐ देवेश्यै स्वाहा
ॐ देवजनन्यै स्वाहा
ॐ दशविद्या, दयाश्रयायै स्वाहा
ॐ द्युनन्यै स्वाहा
ॐ दैत्यसंहत्र्यै स्वाहा
ॐ दौर्भाग्य, पदनाशिन्यै स्वाहा
ॐ दक्षिण, कालिकायै स्वाहा
ॐ दक्षायै स्वाहा

ॐ दक्षयज्ञ, विनाशिन्यै स्वाहा

ॐ दानवादान, वेद्राण्यै स्वाहा

ॐ दान्तायै स्वाहा

ॐ दम्बविवर्जितायै स्वाहा

ॐ दधीचिवरदायै स्वाहा

ॐ दुष्टदैत्य, दर्पापहारिण्यै स्वाहा

ॐ दीर्घनेत्रायै स्वाहा

ॐ दीर्घकचायै स्वाहा

ॐ दुष्टारपद, सांस्थतायै स्वाहा

ॐ धर्मध्वजायै स्वाहा

ॐ धर्ममय्यै स्वाहा

ॐ धर्मराज, वरप्रदायै स्वाहा

ॐ धनेश्वर्यै स्वाहा

ॐ धनिस्तु, व्यायै स्वाहा

ॐ धनध्यक्षायै स्वाहा

ॐ धनात्मिकायै स्वाहा
ॐ धीध्वन्यै स्वाहा
ॐ धवलाकारायै स्वाहा
ॐ धवलाम्बोज, धारिण्यै स्वाहा
ॐ धीरसुधारिण्यै स्वाहा
ॐ धात्र्यै स्वाहा
ॐ पूः पुन्यै स्वाहा
ॐ पुनीस्तुषायै स्वाहा
ॐ नवीनयै स्वाहा
ॐ नूतनायै स्वाहा
ॐ नव्यायै स्वाहा
ॐ नलिनायत, लोचनायै स्वाहा
ॐ नरनारायण, स्तुत्यायै स्वाहा
ॐ नवेन्दु, सन्निभायै स्वाहा
ॐ नाम्नायै स्वाहा

ॐ नागकेसर, मालिन्यै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ नृवन्द्यायै स्वाहा १००

ॐ नगरेशान्यै स्वाहा
ॐ नायिका, नयिकेश्वर्यै स्वाहा
ॐ निरक्षरायै स्वाहा
ॐ निरालम्बायै स्वाहा
ॐ निर्लोभायै स्वाहा
ॐ निरयोनिजायै स्वाहा
ॐ नगदर्पाढ्यायै स्वाहा
ॐ निकन्दायै स्वाहा
ॐ नरमुण्डिन्यै स्वाहा

ॐ निन्दायै स्वाहा
ॐ नन्दफलायै स्वाहा
ॐ नष्टानन्द, कर्मपरायणायै स्वाहा
ॐ नरनारी, गुणप्रीतायै स्वाहा
ॐ नरमाला, विभूषणायै स्वाहा
ॐ पुष्पायुधायै स्वाहा
ॐ पुष्पमालायै स्वाहा
ॐ पुष्पबाणायै स्वाहा
ॐ प्रियम्वदायै स्वाहा
ॐ पुष्पवाण, प्रियंकर्यै स्वाहा
ॐ पुष्पधाम, विभूषितायै स्वाहा
ॐ पुण्यदायै स्वाहा
ॐ पूर्णिमायै स्वाहा
ॐ पूतायै स्वाहा
ॐ पुण्यकोटि, फलप्रदायै स्वाहा

ॐ पुराणागम, मन्त्राढ्यायै स्वाहा
ॐ पुराण, पुरुपाकृत्यै स्वाहा
ॐ पुराणगोचरायै स्वाहा
ॐ पूर्वायै स्वाहा
ॐ परब्रह्म, स्वरूपिण्यै स्वाहा
ॐ परम्पर, रहस्याङ्गायै स्वाहा
ॐ प्रह्लाद, परमेश्वर्यै स्वाहा
ॐ फाल्गुण्यै स्वाहा
ॐ फाल्गुणप्रीतायै स्वाहा
ॐ फणिराज, समर्चितायै स्वाहा
ॐ फणप्रदायै स्वाहा
ॐ फणेश्यै स्वाहा
ॐ फणाकारायै स्वाहा
ॐ फणोत्तमायै स्वाहा
ॐ फणिहारायै स्वाहा

ॐ फणिगत्यै स्वाहा
ॐ फणिकाञ्च्यै स्वाहा
ॐ फलाशनायै स्वाहा
ॐ बलदायै स्वाहा
ॐ बाल्यरूपायै स्वाहा
ॐ बालराक्षर, मन्त्रितायै स्वाहा
ॐ ब्रह्मज्ञानमय्यै स्वाहा
ॐ ब्रह्मवाञ्छायै स्वाहा
ॐ ब्रह्मपदप्रदायै स्वाहा
ॐ ब्रह्माण्यै स्वाहा
ॐ बृहत्यै स्वाहा
ॐ ब्रीडायै स्वाहा
ॐ ब्रह्मावर्त, प्रवर्तिन्यै स्वाहा
ॐ ब्रह्मरूपायै स्वाहा
ॐ पराव्रज्यायै स्वाहा

ॐ ब्रह्ममुण्डैक, मालिन्यै स्वाहा
ॐ बिन्दुभूषायै स्वाहा
ॐ बिन्दुमात्रे स्वाहा
ॐ विम्बोष्ठ्यै स्वाहा
ॐ बगुलामुख्यै स्वाहा
ॐ ब्रह्मास्त्रविद्यायै स्वाहा
ॐ ब्रह्माण्यै स्वाहा
ॐ ब्रह्माच्युत, नमस्कृतायै स्वाहा
ॐ भद्रकाल्यै स्वाहा
ॐ सदाभद्रायै स्वाहा
ॐ भीमेश्यै स्वाहा
ॐ भुवनेश्वर्यै स्वाहा
ॐ भैरवाका, कल्लोलायै स्वाहा
ॐ भैरवी, भैरवार्चितायै स्वाहा
ॐ मानव्यै स्वाहा

ॐ भासु, दाम्भोजायै स्वाहा
ॐ भासुदास्य, भयार्तिहायै स्वाहा
ॐ भीडायै स्वाहा
ॐ भागीरथ्यै स्वाहा
ॐ भद्रायै स्वाहा
ॐ सुभद्रायै स्वाहा
ॐ भद्रवर्धिन्यै स्वाहा
ॐ महामायायै नमः स्वाहा
ॐ महाशान्तायै स्वाहा
ॐ मातङ्ग्यै स्वाहा
ॐ मीनतर्पितायै स्वाहा
ॐ मोदकाहार, संतुष्ट्यायै स्वाहा
ॐ मालिन्यै स्वाहा
ॐ मानवर्धिन्यै स्वाहा
ॐ मनोज्ञायै स्वाहा

ॐ शुष्कुलीकर्णायै स्वाहा
ॐ मायिन्यै स्वाहा
ॐ मधुराक्षरायै स्वाहा
ॐ मायाबीजवत्यै स्वाहा
ॐ महामायैं स्वाहा
ॐ भयनिसूदिन्यै स्वाहा
ॐ माधव्यै स्वाहा
ॐ मन्दगायै स्वाहा
ॐ माध्व्यै स्वाहा
ॐ मदिरारूण, लोचनायै स्वाहा
ॐ महोत्साहायै स्वाहा
ॐ गणोपेतायै स्वाहा
ॐ माननीया, महर्षिभ्यै स्वाहा
ॐ मत्तमातङ्गायै स्वाहा
ॐ गोमत्तायै स्वाहा

तेजोऽसि शुक्रमऽसि
ज्योतिरऽसि धामाऽसि

ॐ मन्मथारिवरप्रदायै स्वाहा
1000

।। इति श्री शारदा सहस्रनामावली समाप्ता।।

हमारी पुस्तकें मिलेंगी

KASHMIRI SAMITI
Kashmir Bhawan Marg, Amar Colony, Lajpat Nagar-IV,
New Delhi, Ph. : 6433399, 6465280

TANEJA ELECTRONICS & TENT HOUSE
Kashmiri Catering & Decurators Raghunath Mandir,
Amar Colony, Lajpat Nagar, New Delhi Phone : 6429046

BRAHAM PUTRA COMPLEX
Shop No. 45, Sector-29, NOIDA Ph. : 8539338

D. P. B. PUBLICATIONS
110, Chowk Barshahbulla, Chawri Bazar, Delhi-6
Phone : 3273220

VIJAYASHWAR DHARMIK PUSTAK BHANDAR
Talab-Tilo, Jammu, Phone : 555763

J. K. BOOK SHOP
Talab-Tilo, Jammu, Phone : 554522

VEER HOUSE
Sarwal Chowk, Jammu

GUPTA STATIONERY STORE
City Chowk, Jammu

NAND LAL & SONS
Pacca Danga, Jammu

TRINITY STATIONERS
Pacca Danga, Jammu

KIRAN STATIONERY STORE
Gandhi Nagar, Jammu

AMAR STATIONERY STORE
Gandhi Nagar, Jammu

SANJAY STATIONERY STORE
Rehadi, Jammu

BHARAT PUSHTKALYA
Jewel Chowk, Jammu

VIRENDER BOOK STALL
Canal Road, Jammu

UNIVERSAL NEWS AGENCIES
Mukherjee Bazar, Udhampur

AJU BOOK CENTER
Gandhi Nagar, Jammu

ॐ

विजयेश्वर कैसट्स तथा प्रकाशन

स्व. प्रेम नाथ शास्त्री की ज़बान से



विजयेश्वर पंचांग कार्यालय

अजीत कालोनी

Ph. : 555607